University in News on 17 March 2025

AMAR UJALA MY CITY PAGE 7

लविवि : पहली बार समर्थ पोर्टल से होंगे प्रवेश

महीने के अंतिम सप्ताह में जारी हो सकती है फॉर्म भरने की अधिसूचना

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ विवि में शैक्षणिक सत्र 2025-26 से सभी कोर्स में दाखिले समर्थ कॉमन एडमिशन पोर्टल से लिए जाएंगे। इसे लेकर तैयारियां शुरू हो गई हैं। मार्च अंतिम सप्ताह में विश्वविद्यालय स्नातक स्तर के कोर्स के फॉर्म भरने के लिए अधिसूचना जारी कर सकता है। यह पहली बार होगा कि विवि किसी एकीकृत पोर्टल से दाखिले लेगा।

लखनऊ विश्वविद्यालय अभी तक अपने स्तर से स्नातक, परास्नातक सहित सभी पाठ्यक्रमों में ऑनलाइन आवेदन लेता था। इसके बाद प्रवेश परीक्षा और फिर मेरिट के आधार पर सीट आवंटित कर विद्यार्थी को दाखिला देता था, लेकिन शासन के आदेशों के क्रम में नवीन सत्र में सभी प्रवेश समर्थ पोर्टल के माध्यम से ही लिए जाने हैं।

इस आदेश को अमल में लाने के लिए बीते दिनों कुलसचिव विद्यानंद त्रिपाठी ने विवि के सभी डीन, विभागाध्यक्ष, निदेशक और समन्वयकों को पत्र जारी कर आवेदन पत्र के प्रारूप के संबंध में सुझाव मांगे थे। सुझाव प्राप्त होने के बाद इन्हें विचार के लिए प्रवेश समिति को भेजते हुए आगे की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। डीन एडमिशन प्रो. पंकज माथुर ने बताया कि प्रवेश प्रक्रिया के संबंध में तैयारियां शुरू कर दी हैं। जल्द ही जरूरी निर्देश जारी किए जाएंगे।

आवेदन शुल्क में छूट की गुंजाइश कम : लखनऊ विश्वविद्यालय वर्तमान प्रवेश व्यवस्था में स्नातक और परास्नातक के कोर्स में आवेदन के लिए 800 से लेकर 1600 रुपये फॉर्म शुल्क वसूलता है, जबकि पीएचडी के लिए फॉर्म फीस दो हजार रुपये है। समर्थ पोर्टल सरकार का पोर्टल होगा, इसके बावजूद विद्यार्थियों को फॉर्म की फीस में छूट मिलने की गुंजाइश कम है। इसके पीछे विवि प्रशासन का तर्क है कि विश्वविद्यालय को सरकार से पर्याप्त मात्रा में आर्थिक सहायता नहीं मिलती। उसे ज्यादातर खर्च अपनी आमदनी से ही करने होते हैं। ऐसे में आवेदन फॉर्म की फीस घटाने की संभावना कम है।

विश्वविद्यालय में आज शुरू होगा ऑनलाइन लघु अवधि पाठ्यक्रम

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में सार्वभौमिक मानव मूल्य (यूएचवी) पर आधारित राष्ट्रीय समन्वय समिति (एनसीसीआईपी) के सहयोग से छह दिवसीय लघु पाठ्यक्रम 17 मार्च से शुरू होगा। विश्वविद्यालय के मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र की ओर से शुरू हो रहे इस पाठ्यक्रम का विषय मूल्य आधारित शिक्षा को बढ़ावा देने की पहल है। कार्यक्रम निदेशक प्रो. कमल कुमार व डॉ. मनीषा शुक्ला हैं। सुबह 10:30 बजे से शुरू होने वाले कार्यक्रम में यूजीसी के अध्यक्ष प्रो. एम जगदीश कुमार ममिडाला भी शामिल होंगे। यूजीसी, एआईसीटीई के वरिष्ठ अधिकारी भी कार्यक्रम में भाग लेंगे।

दूरस्थ शिक्षा के कोर्स में आवेदन आज से

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के दूरस्थ शिक्षा केंद्र के तहत संचालित कोर्सों में सत्र 2025 के लिए आवेदन प्रक्रिया 17 मार्च से शुरू हो जाएगी, जो 30 मार्च तक चलेगी। दूरस्थ शिक्षा के तहत पहली बार एमबीए पाठ्यक्रम में भी ऑनलाइन पढ़ाई कराई जाएगी।

जिन कोर्सों में प्रवेश लिए जाएंगे, उनमें बीकॉम, बीबीए, एमकॉम, एमए संस्कृत, राजनीति विज्ञान, अर्थशास्त्र, अंग्रेजी, एमएसडब्ल्यू शामिल हैं। बीबीए पाठ्यक्रम तीन वर्ष (छह सेमेस्टर) का और शेष परास्नातक पाठ्यक्रम दो वर्ष (चार सेमेस्टर) की अवधि के हैं। (संवाद)

पिछले साल हुई थी शुरुआत

लखनऊ विश्वविद्यालय ने सत्र 2023-24 से दूरस्थ शिक्षा केंद्र के तहत ऑनलाइन शिक्षण प्रक्रिया शुरू की थी। फरवरी 2024 से बीकॉम और एमकॉम पाठ्यक्रम ऑनलाइन संचालित हो रहे है, जबकि नवंबर 2024 से बीबीए और परास्नातक स्तर पर अंग्रेजी, राजनीति विज्ञान, अर्थशास्त्र, एमएसडब्ल्यू आदि पाठ्यक्रम भी आनलाइन संचालित हो रहे हैं। फरवरी 2024 सत्र के प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएं सितंबर 2024 में आफलाइन संपन्न कराई जा चुकी हैं, जबकि दूसरे समेस्टर की परीक्षाएं और नवंबर में नवप्रवेशित छात्र-छात्राओं की प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएं अप्रैल में प्रस्तावित हैं।

यहां मिलेगी हर अपडेट : दूरस्थ शिक्षा के लिए आवदेन करने वाले छात्रों को हर अपडेट वेबसाइट www.luonlineeducation.in पर उपलब्ध कराई जाएगी।

नेशनल पीजी कॉलेज में आज से मिलेंगे ऑफलाइन आवेदन फॉर्म

लखनऊ। शहर के एकमात्र स्वायत्त महाविद्यालय नेशनल पीजी कॉलेज में नए शैक्षणिक सत्र में प्रवेश के लिए सोमवार से ऑफलाइन फॉर्म मिलने शुरू हो जाएंगे। हालांकि, ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया जारी है। इसकी अंतिम तिथि 15 मई तय की गई है। प्राचार्य प्रो. देवेंद्र सिंह के मुताबिक, अभ्यर्थी महाविद्यालय के प्रशासनिक भवन स्थित काउंटर से यूजी और पीजी कोर्स के लिए आवेदन फॉर्म प्राप्त कर सकते हैं। यहां बीए, बीकॉम, बीएससी, एमए, एमकॉम, एमपीएच, पीजी डिप्लोमा के फॉर्म का शुल्क 900 रुपये होगा, जबकि बीसीए, बीकॉम ऑनर्स, बीएजेएमसी, बीबीए, बीबीए डिजिटल बिजनेस, बीवॉक व एमवॉक कोर्स के फॉर्म का शुल्क एक हजार रुपये होगा। (संवाद)

JAGRAN CITY PAGE III

लवि : आनलाइन और दूरस्थ शिक्षा में प्रवेश के आवेदन आज से

जागरण संवाददाता • लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय के आनलाइन एवं दूरस्थ शिक्षा केंद्र (एलयूसीओडीई) में सत्र फरवरी 2025 के लिए विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया 17 मार्च से शुरू होगी। इसमें बी.काम, बीबीए, एम.काम, एम.ए (संस्कृत, राजनीति विज्ञान, अर्थशास्त्र, अंग्रेजी) और एमएसडब्ल्यू पाठ्यक्रम शामिल हैं। बीबीए कोर्स तीन वर्ष (छह सेमेस्टर) का होगा, जबकि सभी परास्नातक पाठ्यक्रमों की अवधि दो वर्ष (चार सेमेस्टर) की होगी। इस सत्र से एमबीए पाठ्यक्रम भी शुरू किया जाएगा, जिसकी अवधि भी दो वर्ष (चार सेमेस्टर) होगी। सभी पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया 30 मार्च तक पूरी कर ली जाएगी। प्रवेश से जुड़ी विस्तृत जानकारी लखनऊ विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट www.luonlineeducation.in पर उपलब्ध होगी।

लखनऊ विश्वविद्यालय ने 2023-24 सत्र से एलयूसीओडीई के माध्यम से आनलाइन शिक्षण प्रक्रिया शुरू की थी। फरवरी 2024 से बी.काम और एम.काम कोर्स आनलाइन माध्यम से संचालित हो रहे हैं। इसके बाद नवंबर 2024 से बीबीए, एम.ए (अंग्रेजी, राजनीति विज्ञान, अर्थशास्त्र), एमएसडब्ल्यू आदि पाठ्यक्रम भी आनलाइन शुरू किए गए। फरवरी 2024 सत्र के प्रथम सेमेस्टर की आफलाइन परीक्षाएं सितंबर 2024 में सफलतापूर्वक आयोजित की गई थीं।

द्वितीय सेमेस्टर की परीक्षाएं जल्द ही आयोजित की जाएंगी, जबकि नव प्रवेशित छात्र-छात्राओं की प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएं आगामी अप्रैल में प्रस्तावित हैं। लखनऊ विश्वविद्यालय का यह कदम उच्च शिक्षा को डिजिटल माध्यम से अधिक सुलभ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है। लखनऊ विश्वविद्यालय आनलाइन एवं दूरस्थ शिक्षा केंद्र के निदेशक प्रोफेसर पियूष भार्गव ने बताया कि आनलाइन के इन सभी कोर्सों में आवेदन शुल्क 250 रुपये है।

ये होगी प्रति सेमेस्टर फीस

कोर्स	प्रति सेमेस्टर फीस
बीकाम	पांच हजार रुपये
बीबीए	15 हजार रुपये
पीजी कोर्स	आठ हजार रुपये
एमबीए	25 हजार रुपये

नोट : परीक्षा शुल्क अलग से होगा)

PIONEER PAGE 3

'सार्वभौमिक मानव मूल्यों' पर ऑनलाइन लघु अवधि पाठ्यक्रम का शुभारंभ आज से

लखनऊ। लविवि, विवि अनुदान आयोग के निर्देशानुसार एवं सार्वभौमिक मानव मूल्य पर इंडक्शन कार्यक्रम के लिए राष्ट्रीय समन्वय समिति के सहयोग से 17 मार्च से 22 मार्च 2025 तक छह दिवसीय ऑनलाइन लघु अवधि पाठ्यक्रम का आयोजन कर रहा है। यह कार्यक्रम कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय के नेतृत्व में मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र द्वारा मूल्य-आधारित शिक्षा को बढ़ावा देने की पहल के तहत आयोजित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम के निदेशक प्रो. कमल कुमार एवं कार्यक्रम समन्वयक डॉ. मनीषा शुक्ला हैं। कार्यक्रम का उद्घाटन 17 मार्च को यूजीसी के अध्यक्ष प्रो. एम. जगदीश कुमार ममिडाला मुख्य अतिथि के रूप में करेंगे। साथ ही, यूजीसी, एआईसीटीई एवं एनसीसीआईपी के वरिष्ठ अधिकारी भी प्रमुख वक्ता के रूप में कार्यक्रम में भाग लेंगे। पाठ्यक्रम का उद्देश्य शिक्षा में सार्वभौमिक मानव मूल्यों का एकीकरण करना है, जो नैतिक, मानवीय एवं समग्र शिक्षण को बढ़ावा देने की यूजीसी की पहल के अनुरूप है। इस बात पर चर्चा की जाएगी कि शिक्षण और अकादमिक प्रणाली में मानवीय मूल्यों को कैसे समाहित किया जाए और इन्हें व्यावसायिक शिक्षण प्रथाओं का हिस्सा बनाया जाए।

डिस्टेंस एजुकेशन के तहत एलयू में दाखिले के लिए आवेदन आज से

लखनऊ। लविवि के आनलाइन एवं दूरस्थ शिक्षा केन्द्र में सत्र फरवरी 2025 हेतु बीकाम, बीबीए, एमकाम, एमए संस्कृत, राजनीति विज्ञान, अर्थशास्त्र, अंग्रेजी, एमएसडब्ल्यू की प्रवेश प्रक्रिया 17 मार्च से आरंभ होने जा रही है। बीबीए पाठ्य क्रम 3 वर्ष (6 सेमेस्टर) का तथा शेष परास्नातक पाठ्यक्रम 2 वर्ष (4 सेमेस्टर) की अवधि के हैं। इसके अतिरिक्त केन्द्र में इस सत्र से एम बी ए पाठ्यक्रम में भी प्रवेश प्रक्रिया आरंभ हो रही है, यह पाठ्यक्रम भी द्विवर्षीय (चार सेमेस्टर)है। इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया 30 मार्च तक पूर्ण की जानी है। इस संबंध में कार्रवाई शीघ्र आरंभ होने वाली है। पूर्व में सत्र 2023-24 से लखनऊ विश्वविद्यालय आनलाइन शिक्षण प्रक्रिया प्रारंभ कर चुका है। 2023-24 के लिए फरवरी 2024 से बीकॉम तथा एमकॉम पाठ्यक्रम ऑनलाइन माध्यम से संचालित हो रहे है। नवंबर 2024 से बीबीए, तथा परास्नातक स्तर पर अंग्रेजी, राजनीति विज्ञान, अर्थशास्त्र , एम एस डब्ल्यू आदि पाठ्यक्रम भी आनलाइन माध्यम से संचालित हो रहे हैं। फरवरी 2024 सत्र के प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएं सितंबर 2024 में आफलाइन संपन्न करवाई जा चुकी हैं तथा द्वितीय सेमेस्टर की परीक्षाएं और नवंबर में नवप्रवेशित छात्र छात्राओं की प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएं अप्रैल में प्रस्तावित हैं।

TOI PAGE 2

LU UG geography upgraded syllabus to cover novel topics

Mohita.Tewari
@timesofindia.com

Lucknow: Undergraduate students of Lucknow University will study topics ranging from how cross-border terrorism is significantly influenced by geography to economic principles and policies impacting healthcare costs, access, quality and outcomes. This will enable better decision-making and policy development within the healthcare system.

LU has added several new topics to its upgraded syllabus to be taught at the undergraduate level in the academic session 2025-26.

"We have introduced several novel topics in the undergraduate geography syllabus the knowledge of which is beneficial and creates enhanced employment opportunities. We have incorporated military geography wherein students will be taught boundary disputes and cross-border terrorism, which is crucial from a strategic and diplomatic perspective," said Assistant Professor Arun Kumar Dwivedi of LU's geography department.

LIGHT OF A NEW DAY

He said students will additionally learn how geographical factors influence military operations, strategy and security, encompassing both physical and human landscapes and the ramifications of military presence on local territories and broader geographies.

"In rural geography, our students will study rural communities, land utilisation, agriculture, rural development and the distinctive challenges and advantages of rural living, including subjects like the rural economy, demography, infrastructure and service accessibility," said Arun.

He said students will also study medical geography, a specialised branch that investigates the spatial distribution of diseases, healthcare accessibility and the influence of environmental and social determinants on human health.

"We have integrated 'health economics' in our postgraduate economics syllabus. Students will comprehend methods to make healthcare more equitable, accessible and affordable, utilising economic principles to analyse health systems, behaviours and policies. They will be equipped to analyse the approach of different stakeholders, i.e. govt, corporates, nursing homes, individual doctors and patients," said head of the economics department Prof Vinod Singh.

He said studying health economics can optimise healthcare efficiency, guide policy decisions and enhance understanding of healthcare systems, leading to superior resource allocation and improved health outcomes. With expertise in health economics, students can pursue diverse roles across sectors like academia, healthcare organisations, govt agencies and consulting firms, specialising in policy analysis, market access and research.

MBA among LU's online, distance learning courses

Times News Network

Lucknow: Lucknow University will open its admission window for candidates to apply for its online and distance learning courses for the academic session 2025-26 on Monday. LU is also offering admission forms for online MBA course from this session, which is of two years (four semesters).

The online admission forms for BCom, BBA, MCom, MA Sanskrit, Political Science, Economics, English and Master of Social Work will be available at the Lucknow University Centre for Online and Distance Education (LUCODE) portal.

BCom and BBA courses offered in online mode are of 3 years (6 semesters), while postgraduate courses are of 2 years (4 semesters). "We are planning to wind up admission of LUCODE programmes by Mar 30. We will update all admission-related information of our online courses on www.luonlineeducation.in," said Durgesh Srivastava, LU spokesperson.

He said LUCODE offers courses best suited for individuals who can't come to campus physically due to various personal or professional reasons but want to complete their higher education.

"LU began offering online courses from the academic session 2023-24 at the LUCODE centre, which offers both full-time online courses as well as distance learning courses. The centre was established after LU received the green signal from the University Grants Commission for the centre to offer various distance learning. Since the university received a good response when it began with just two courses of BCom and MCom, it introduced half a dozen more undergraduate and postgraduate courses under the centre, he added.

THE PIONEER PAGE 3

Lucknow university proposes sparrow park, bird tower for conservation

PIONEER NEWS SERVICE ■ Lucknow

The Institute of Wildlife Sciences at Lucknow University has submitted a proposal to the state government for the development of a sparrow park and bird tower to improve bird conservation efforts.

Director of the Institute of Wildlife Sciences and Professor of Zoology, Amita Kanaujia, explained that the bird tower concept involves constructing a tall tower in the city. The proposed tower would be 75 feet high, cylindrical in design, and consist of 8-10 stories. It is suggested to be built either in front of the Lucknow Nagar Nigam Directorate or in Ram Manohar Lohia Park and Janeshwar Mishra Park at an estimated cost of Rs 23 lakh.

The tower would be designed with holes at different levels, allowing birds to build nests, while people can place bird seeds around the area. Kanaujia described the tower as a way to bring humans and animals closer, fostering a shared responsibility for maintaining the environment.

The tower would also provide opportunities for wildlife observation and birdwatching, attracting tourists and fostering greater interaction between citizens and birds. This could boost ecotourism in the city.

Kanaujia shared an example of a similar initiative in Parbatsar, Rajasthan, where a seven-storey bird tower has been constructed. The 65-foot tower offers food and water for the birds and has become a popular spot for local wildlife, benefiting from donations of land and resources.

In addition to the bird tower, Kanaujia proposed a Sparrow Park in the city, which would feature a central park surrounded by buildings, providing a safe space for sparrows with suitable water facilities and bushy shrubs for roosting.

She highlighted that the biggest threats to birds are habitat destruction, climate change, and human activities such as logging, agriculture, and pesticide use. These threats have contributed to the decline of many bird species, with 80 species going extinct since 1680.

Kanaujia stressed that habitat loss, pollution, and hunting have had a significant impact on bird populations. Early human agricultural practices have also led to the selective breeding of various bird species, further affecting natural populations.

She added that they have approached the Lucknow Development Authority vice-chairman to make the inclusion of Sparrow Houses mandatory when approving building plans for city residents.

AMRIT VICHAR PAGE 7

लखनऊ विश्वविद्यालय से ऑनलाइन करें एमबीए

बीकाम, बीबीए, एमबीए, एमकाम, एमए, एमएस डब्ल्यू के लिए प्रवेश आरंभ

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: लखनऊ विश्वविद्यालय के ऑनलाइन और डिस्टेंस लर्निंग (दूरस्थ शिक्षा) के पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया आज से शुरू हो रही है। सत्र फरवरी 2025 के लिए बीकॉम, बीबीए, एमकॉम, एमए संस्कृत, राजनीति विज्ञान, अर्थशास्त्र, अंग्रेजी और एमएसडब्ल्यू की प्रवेश प्रक्रिया आज सोमवार से आरंभ हो रही है। विश्वविद्यालय के ऑनलाइन और दूरस्थ शिक्षा केंद्र में सत्र फरवरी 2025 हेतु उक्त विषयों में प्रवेश की प्रक्रिया 30 मार्च तक पूरी कर ली जाएगी। इसके अलावा 3 वर्ष के बीबीए पाठ्यक्रम जिसमें कुल 6 सेमेस्टर होंगे, परास्नातक में एमबीए 2 वर्ष के 4 सेमेस्टर के भी प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। विश्वविद्यालय में पहली बार ऑनलाइन एमबीए पाठ्यक्रम में प्रवेश प्रक्रिया आरंभ हो रही है।

आज से आरंभ होकर प्रवेश प्रक्रिया आगामी 30 मार्च तक पूरी कर ली जाएगी। छात्रों को विस्तृत जानकारी के लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.luonlineeducation.in देखनी चाहिए। सत्र 2023-24 से विश्वविद्यालय एलयूसीओडीई (लखनऊ यूनिवर्सिटी सेंटर फार ऑनलाइन एंड डिस्टेंस एजुकेशन) के माध्यम से ऑनलाइन शिक्षण प्रक्रिया प्रारंभ कर चुका है। 2023-24 के लिए फरवरी 2024 से बीकॉम और एमकॉम पाठ्यक्रम ऑनलाइन माध्यम से संचालित हो रहे है। नवंबर 2024 से बीबीए, परास्नातक स्तर पर अंग्रेजी, राजनीति विज्ञान, अर्थशास्त्र, एमएसडब्ल्यू आदि पाठ्यक्रम भी आनलाइन माध्यम से संचालित हो रहे हैं। फरवरी 2024 सत्र के प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएं सितंबर 2024 में आफलाइन संपन्न करवाई जा चुकी हैं। द्वितीय सेमेस्टर की परीक्षाएं और नवंबर में नवप्रवेशित छात्र-छात्राओं की प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएं अप्रैल में प्रस्तावित हैं।

ऑनलाइन और दूरस्थ शिक्षा के लिए आज से शुरु हुई प्रवेश प्रक्रिया

ऑनलाइन कोर्स करने का लाभ यह है कि छात्र अपने मर्जी से जब चाहे जितना चाहे पढ़ सकता है। यदि छात्र नियमित कक्षाओं में आ पाने में असमर्थ होते हैं उनके लिए यह बेहतर विकल्प है। ऑनलाइन प्रवेश में छात्रों का पूरा सहयोग किया जाएगा।

-प्रो. पीयूष भार्गव, लविवि, दूरस्थ शिक्षा

प्रवेश परीक्षा नहीं होगी सीटों की संख्या असीमित

ऑनलाइन पाठ्यक्रमों के लिए सीटों की बाध्यता नहीं है। इसके लिए कोई प्रवेश परीक्षा भी आयोजित नहीं की जाएगी। बल्कि जिन पाठ्यक्रमों में छात्रों को प्रवेश लेना है, उसके लिए विश्वविद्यालय की ओर से निर्धारित न्यूनतम अर्हता होनी जरूरी है।

इस तरह ले सकते हैं प्रवेश

छात्रों को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की वेबसाइट पर डिस्टेंस एजुकेशन पोर्टल पर डीईडी आईडी बनानी होगी। उसके बाद एबीसी आईडी भी बनानी होगी। यह दो प्रक्रिया पूरी कर लेने के बाद विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर आकर आवेदन करना होगा। छात्रों की दिक्कतों को आसान करने के लिए विश्वविद्यालय की ओर से एक विडियो भी अपलोड किया गया है। जिसे देखकर छात्र आसानी से समझ सकते हैं।

ऑनलाइन एमबीए और बीबीए का शुल्क कम

विश्वविद्यालय की ओर से ऑनलाइन बीबीए और एमबीए करने वाले छात्रों के लिए शुल्क कम रखा गया है। नियमित कक्षा के छात्रों के मुकाबले यह शुल्क आधे से भी कम है। जैसे बीबीए प्रति सेमेस्टर का शुल्क 15 हजार रुपए है, जबकि ऑफलाइन कक्षा का शुल्क लगभग 40 हजार है। इसी प्रकार ऑनलाइन एमबीए का प्रति सेमेस्टर शुल्क 25 हजार है, जबकि ऑफलाइन एमबीए प्रति सेमेस्टर शुल्क लगभग 80 हजार है। इसके अलावा परीक्षा शुल्क अलग से लिया जाएगा। जिसमें स्नातक के लिए लगभग 1750 और परास्नातक के लिए करीब 2 हजार है।

छह दिवसीय ऑनलाइन पाठ्यक्रम लविवि में आयोजित

अमृत विचार, लखनऊ : विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के निर्देश पर लखनऊ विश्वविद्यालय सार्वभौमिक मानव मूल्य पर 17 से 22 मार्च तक छह दिवसीय ऑनलाइन लघु अवधि पाठ्यक्रम का आयोजन कर रहा है। यह कार्यक्रम कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय के नेतृत्व में मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र द्वारा मूल्य-आधारित शिक्षा को बढ़ावा देने की पहल के तहत आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम के निदेशक प्रो. कमल कुमार व कार्यक्रम समन्वयक डॉ. मनीषा शुक्ला हैं। उद्घाटन आज होगा जिसमें यूजीसी के अध्यक्ष प्रो. एम जगदीश कुमार ममिडाला मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। एआईसीटीई व एनसीसीआईपी के वरिष्ठ अधिकारी भी वक्ता के रूप में कार्यक्रम में भाग लेंगे।

VOICE OF LUCKNOW PAGE 6

लविवि में सार्वभौमिक मानव मूल्यों पर ऑनलाइन लघु अवधि पाठ्यक्रम का हुआ आयोजन

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के निर्देशानुसार एवं सार्वभौमिक मानव मूल्य (यूएचबी) पर इंडक्शन कार्यक्रम के लिए राष्ट्रीय समन्वय समिति (एनसीसीआईपी) के सहयोग से, 17 मार्च से 22 मार्च तक छह दिवसीय ऑनलाइन लघु अवधिपाठ्यक्रम (एसटीसी) ऑन यूनिवर्सिल हयूमन वैल्यू का आयोजन कर रहा है। यह कार्यक्रम माननीय कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय के नेतृत्व में मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र (एमएमटीटीसी) द्वारा मूल्य-आधारित शिक्षा को बढ़ावा देने की पहल के तहत आयोजित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम के निदेशक प्रो. कमल कुमार एवं कार्यक्रम समन्वयक डॉ. मनीषा शुक्ला हैं।

कार्यक्रम का उद्घाटन 17 मार्च को प्रातः 10:30 बजे होगा, जिसमें यूजीसी के अध्यक्ष प्रो. एम. जगदीश कुमार ममिडाला मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। साथ ही, यूजीसी, एआईसीटीई (एआईसीटीई) एवं एनसीसीआईपी के वरिष्ठ अधिकारी भी प्रमुख वक्ता के रूप में कार्यक्रम में भाग लेंगे। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य शिक्षा में सार्वभौमिक मानव मूल्यों का एकीकरण करना है, जो नैतिक, मानवीय एवं समग्र शिक्षण को बढ़ावा देने की यूजीसी की पहल के अनुरूप है। इसमें इस बात पर चर्चा की जाएगी कि शिक्षण और अकादमिक प्रणाली में मानवीय मूल्यों को कैसे समाहित किया जाए और इन्हें व्यावसायिक शिक्षण प्रथाओं का हिस्सा बनाया जाए। एआईसीटीई और एनसीसीआईपी जैसे नियामक निकायों के विशेषज्ञों की भागीदारी के साथ, यह कार्यक्रम शिक्षकों, शोधकताओं और विद्यार्थियों के लिए महत्वपूर्ण अंतर्दृष्टि प्रदान करेगा। यह पहल मूल्य-आधारित शिक्षा को बढ़ावा देने की यूजीसी की प्रतिबद्धता को दशार्ती है और लखनऊ विश्वविद्यालय को अकादमिक उत्कृष्टता के क्षेत्र में एक अग्रणी संस्थान के रूप में स्थापित करने में सहायक होगी।

HT PAGE 4

LU'S ONLINE LEARNING ADMISSIONS OPEN, DEADLINE ENDS MARCH 30

LUCKNOW : The admission process for BCom, BBA, MCom, MA Sanskrit, Political Science, Economics, English and MSW at the Online and Distance Education Center of Lucknow University for the February 2025 session will commence on March 17, stated LU spokesperson Prof Durgesh Srivastav in a press release on Sunday.

The BBA course spans three years (six semesters), while the postgraduate courses are of two years (four semesters). Additionally, the admission process for the MBA course is also starting at the centre from this session, which is also a two-year (four semesters) course.

The admission process for these courses must be completed by March 30. Information will be made available on the website www.luonlineeducation.in.

It is noteworthy that since the session 2023-24, Lucknow University has introduced online teaching process through Lucknow University Centre for Online and Distance Education (LUCODE). BCom and MCom classes are conducted through online medium since February 2024 for 2023-24 session. HTC